

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 13 अप्रैल, 2022

डॉ. मनोज सोनी

हाल ही में डॉ. मनोज सोनी को संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि डॉ. मनोज सोनी वर्तमान में 'संघ लोक सेवा आयोग' के सदस्य हैं। UPSC के प्रमुख नियुक्त होने से पूर्व मनोज सोनी ने छह वर्ष (2009-2015) तक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी (BAOU) के कुलपति और तीन वर्ष (2005-2008) तक महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (MSU) में कुलपति के रूप में सेवाएँ दीं। डॉ. मनोज सोनी राजनीति विज्ञान के अध्येता हैं और इन्हें अंतरराष्ट्रीय संबंधों (IR) में विशेषज्ञता प्राप्त है। डॉ. सोनी ने वर्ष 1991 से वर्ष 2016 की अवधि के दौरान सरदार पटेल विश्वविद्यालय (SPU), वल्लभ विद्यानगर में अंतरराष्ट्रीय संबंध (IR) के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। गौरतलब है कि 'संघ लोक सेवा आयोग' (UPSC) के अध्यक्ष एवं सदस्य छह वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक पद धारण करते हैं। सर राँस बारकर अक्टूबर 1926 में यूपीएससी के पहले अध्यक्ष बने थे और अब तक यूपीएससी में 30 अध्यक्ष रह चुके हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 312 (Article 312) के अनुसार, संसद को संघ और राज्यों के लिये एक या एक से अधिक अखिल भारतीय सेवाएँ (एक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा सहित) बनाने का अधिकार प्राप्त है। इन सभी अखिल भारतीय सेवाओं में भरती संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा की जाती है।

माधवपुर मेला

राष्ट्रपति रामनाथ कोव्दि ने हाल ही में पाँच दिवसीय 'माधवपुर मेले' का उद्घाटन किया है। मेला पोरबंदर से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण में माधवपुर के तटीय गाँव में आयोजित किया जाता है और यह रुक्मिणी के साथ भगवान कृष्ण के विवाह को चिह्नित करता है। माधवपुर मेला राम नवमी पर शुरू होता है, हट्टि चंद्र कैलेंडर के अनुसार इस दिन भगवान राम का जन्म हुआ। हट्टि कैलेंडर में विवाह के विभिन्न अनुष्ठान त्रयोदशी या चैत्र महीने के 13वें दिन तक चलते हैं।

हरषवर्धन शरुंगला

भारत द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित होने वाले G20 शिखर सम्मेलन के लिये विदेश सचिव **हरषवर्धन शरुंगला** को मुख्य समन्वयक नियुक्त किया गया है। वर्ष 2023 में भारत में होने वाला G20 शिखर सम्मेलन देश का अब तक का सबसे बड़ा बहुपक्षीय आयोजन होगा। यह शिखर सम्मेलन वैश्विक मंच पर देश की समृद्ध संस्कृति, बुनियादी ढाँचे, आतंथिय और विविधता को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। हरषवर्धन शरुंगला भारतीय विदेश सेवा (IFS) के अधिकारी हैं जो भारत के 33वें विदेश सचिव भी रहे हैं। वह वर्ष 1984 में विदेश सेवा में शामिल हुए तथा उन्होंने थाईलैंड, अमेरिका में भारत के राजदूत और बांग्लादेश में उच्चायुक्त के रूप में भी कार्य किया है।

लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहला **लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार** (Lata Dinanath Mangeshkar Award) से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार 24 अप्रैल को लता मंगेशकर के पिता मास्टर दीनानाथ मंगेशकर की 80वीं पुण्यतिथि के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रदान किया जाएगा। इस पुरस्कार को मशहूर गायिका लता मंगेशकर की याद में शुरू किया गया है। लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार प्रत्येक वर्ष उस व्यक्ति को दिया जाएगा जिसने राष्ट्र, उसके लोगों और समाज के मार्गदर्शन हेतु शानदार और अनुकरणीय योगदान दिया हो, मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य संगीत, नाटक, कला, चिकित्सा तथा सामाजिक कार्य हेतु सम्मानित करना है।